



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल की हिंदी ई-पत्रिका 'बिलासपुर मंडल दर्पण'

चतुर्थ अंक

परोपकार

परोपकार का दीप जला लो यारों
कब तक स्वयं के लिए जिओगे,
दूसरों के लिए समय निकालो यारों।
खत्म हो रही इस भावना को,
अपनाकर देव का रूप पा लो यारों ।

भूखे को भोजन करा दो,
जरूरत की चीज दिला दो यारों ।
मन को संतुष्टि मिलेगी,
थोड़ा हाथ बटा दो यारों ।

कब तक शांत खड़े रहोगे,
थोड़ा संग मुस्कुरा दो यारों ।
परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं
इस धर्म को हृदय में समालो यारों ।

जीवन सफल हो जाएगा,
थोड़ा इसे आजमा लो यारों ।
बड रहे इस अमानवीय दौर में,
थोड़ा परोपकार कर डालो यारों ।

परोपकार का दीप जला लो यारों ।

संतोष कुमार मिरी लोको
पायलट गुड्स (डीजल),कोरबा

गजल

जिंदगी खुद को हमसे मिलाया करो ।
फर्ज अपना भी कुछ तो निभाया करो ॥

फासले बढ़ न जाए,यही सोचकर ।
बात में गैर की तुम न आया करो ॥

है अगर कोई बंदिश यहां मिलने की ।
ख्वाब में ही सही, आया-जाया करो ॥

जब कभी कोई तन्हाई डसने लगे ।
अपना कहके मुझे फिर बुलाया करो ॥

संगदिल है जमाना जरा सोचकर ।
"गीत" नजरे बचा करके आया करो ॥

गीता नायक "गीत"
राज किशोर नगर,बिलासपुर

अर्थी

जा रही थी मेरी सवारी बड़ी शान से,
पता नहीं कहाँ और किस काम से,
पर थी उस पर सवार मैं, बड़े ही ऐशो अराम से,
मगर ना जानें क्यों थे, सारे लोग गुमसुम-परेशान से,
उन सभी में लगते थे, कुछ अपने और कुछ अनजान से,
दुल्हन के लिबाज में, मैं फूलों सी थी सजी,
शायद इन सब के पीछे, भगवान की ही थी मर्जी,
बज रही थी शहनाइयाँ भी,
पर दे रहे थे लोग दुहाइयाँ भी,
बरसा रहे थे, वे फूल मुझ पर,
फिर क्यों रोये जा रहे थे, वे झुक-झुक कर,
बस मेरे इस सफर का, आ गया आखरी छोर था,
लेकर विदा सबसे, जाना मुझे कहीं और था,
ऐ दोस्तों, अब न छुपाकर कुछ तुझसे,
इस सफर का नाम तुम सुन लो मुझसे,
राज की बात है ये, मैं नहीं स्वार्थी,
मेरे दोस्त वो डोली नहीं, थी मेरी अर्थी ।

राखी मंडल
पत्नी- एस के मंडल
लोको पायलट, कोरबा

प्रेम पुजारी

इश्क में जो मिट गया, वह अमरकर हो गया।
ध्रुव सितारे की तरह, अम्बर उजागर हो गया ॥

उम्र कच्ची थी मगर, चल पड़े जो प्रिय डगर ।
विश्व के निर्माणकर्ता शुभंकर हो गया ॥

ओस जैसी जिंदगी, प्यास चाहत की लगी ।
प्यार में डूबा जो दिल, खुद समंदर हो गया ॥

जग भरम में झूल जाए, ये वहां नजरें गड़ाए ।
मतस्य नैनो भेदने, निश्चित धनुर्धर हो गया ॥

अशक कोई जोग ना है, इश्क कोई रोग ना है ।
प्रेमपथ में 'नूर' का, प्रियतम मुकद्दर हो गया ॥

नफरतें होती अंधेरा, जीतना है तय सवेरा ।
घोरतम को चीरने, जुगनू प्रभाकर हो गया ॥

राह रोड़े से अड़े हो, बन सलाखों सा खड़े हो ।
ये उफनता ज्वार है, जो प्रलयांकर हो गया ॥

सोमप्रभा तिवारी "नूर"
ट्रैक मेंटेनर, करगीरोड (खोंगसरा)

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के कागजात

14 कानूनी दस्तावेज

1. सामान्य आदेश (General Orders)	10. करार (Agreements)
2. संकल्प (Resolutions)	11. अनुज्ञप्ति (Licences)
3. नियम (Rules)	12. अनुज्ञापत्र (Permits)
4. प्रेस विज्ञप्ति (Press Communication)	13. संसद में प्रस्तुति हेतु प्रशासनिक या अन्य रिपोर्ट (Administrative or other reports to be laid before Parliament)
5. अधिसूचना (Notification)	14. संसद में प्रस्तुति हेतु शासकीय कागजात (Official papers to be laid before Parliament)
6. प्रशासनिक या अन्य रिपोर्ट (Administrative or other reports)	
7. सूचना (Notices)	
8. निविदा-सूचना (Forms of Tenders)	
9. संविदा (Contracts)	

उपर्युक्त दस्तावेजों को हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी रूप में एक साथ तैयार/निष्पादित/जारी करने की जिम्मेदारी ऐसे कागजातों पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी की होती है ।

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS)

HRMS आईडी और लाग - इन की प्रक्रिया :-

लॉग-इन के लिए HRMS ID/PASSWORD का होना जरूरी है । यदि HRMS ID नहीं है तो <https://hrms.indianrail.gov.in/HRMS/> पर जा कर ,Help Login के लिए Need Help For Login? पर click करें । अब HRMS ID के रूप में 11 अंको का अपना PF Number दर्ज करें । Go पर click करें । विवरण HRMS ID और Registered mobile number सहित प्रदर्शित होगा अथवा HRMS mobile App पर click Register Now पर click करें फिर IPAS ID के रूप में 11 अंको का PF Number दर्ज करें अथवा कार्मिक शाखा के बिल अनुभाग के Dealing clerk से संपर्क करें । HRMS ID मिलने के पश्चात Default password "Test@123" के साथ HRMS Portal पर लाग-इन करें । कर्मचारियों को पहले लाग-इन के बाद password बदलने के लिए निदेशित किया जाएगा । यदि आप अपनी HRMS ID जानते हैं और password भूल गए हैं तो Forget password पर जा कर password Reset कर सकते हैं । लाग-इन के बाद आपके Registered mobile number पर एक OTP प्राप्त होगा । OTP दर्ज करने पर HRMS का Main menu खुल जाता है ।

डिजिटल ई-पास के लिए कैसे आवेदन करें :-

HRMS का Main menu खुलने के बाद बायीं तरफ प्रदर्शित e-SR पर click करें फिर Drop down menu में My e-SR पर click करें । Designation, Family Details की जांच कर लें यदि कोई विवरण गलत हो तो 'Remark Tab' पर click करें और सही विवरण का उल्लेख करते हुए Submit करें । इसे Verification के बाद संबंधित Approval authority द्वारा Updates कर दिया जाएगा । यदि सभी विवरण सही पाए हैं तो ई-पास आवेदन के लिए Pass Tab पर click करने के बाद Drop down menu में "Pass Set List" tab पर click करें । अब Drop down menu से Type of pass का चयन करें (सुविधा पास अथवा पीटीओ) तथा "GO" पर click करें । वर्ष तथा पासों की पात्रता प्रदर्शित होगी । Half or Full set Pass PTO जैसा भी आवश्यक हो, के लिए उपलब्ध कॉलम में click करें । यह आपको वापस पास आवेदन वाले पृष्ठ पर ले जाएगा । यदि आवेदन वाले पृष्ठ पर वर्ष के लिए कोई पिछले या मौजूदा आवेदन होंगे (जिन्हें अभी तक प्रस्तुत नहीं किया गया है) तो उन्हें Edit Icon पर click कर सुधारा जा सकता है । नए आवेदन के लिए आपको "New Application" tab पर click करना होगा । अब आपका आवेदन वाला पृष्ठ open हो जाएगा । आवेदन में सबसे पहले आपको स्टेशन कोड डालना होगा,यदि आप स्टेशन कोड से अवगत न हों तो स्टेशन से स्टेशन तक के लिए station Description में स्टेशन का नाम लिखना होगा । परिवार के विवरण संबंधी Menu स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी । सदस्यों को Pass में शामिल करने के लिए उनके नाम के आगे click करना होगा । सुविधा पास में यदि आवश्यक हो तो यात्रा विराम(Break Journey) संबंधी विवरण डालें ।

यदि यात्रा में attendants को साथ ले जाना चाहते हैं तो स्क्रीन पर attendants के लिए उपलब्ध बॉक्स में सही का निशान लगाएं । सही तरीके से विवरण भरने के बाद Submit पर click करें जिससे Pass Application पास लिपिक को Forward हो जाएगा तथा आवेदक को उसके Registered mobile No. पर यह संदेश प्राप्त होगा Your Application No. xxxx has been forwarded to pass clerk. अब आवेदन की स्थिति जानने के लिए Pass/PTO Application को खोलिए । आवेदन किए गए पास तथा उनके यूनिक नंबरों की सूची तथा स्थिति जैसा पास जारी करने वाले अधिकारी द्वारा Approval किया गया है, प्रदर्शित होगी । pass issue हो जाने पर My Issued Pass पर click करें फिर जैसा आवश्यक हो Generated OTP पर click करें । OTP Generate होने के बाद आपके Registered mobile number पर आपको Unique Pass Number प्राप्त हो जाएगा । Unique Pass Number द्वारा online IRCTC portal से अथवा अपना ID कार्ड दिखा कर रेलवे स्टेशनों के आरक्षण केंद्रों से रिजर्वेशन कराया जा सकता है ।

HRMS से पी एफ एडवांस हेतु आवेदन :-

पी एफ एडवांस हेतु आवेदन करने के लिए HRMS Portal पर लॉग-इन करने के पश्चात Main menu में बायीं तरफ प्रदर्शित Loan and Advances पर click करें फिर My PF Loan Application menu पर जाएं । अब "New Application" Button पर click करें जिससे आपको Employees basic, bank details, last PF loan details and PF balance by Default प्रदर्शित होंगे । अब कर्मचारी पीएफ ऋण आवेदन विवरण वाले कॉलम पर जाएं तथा आवेदन का प्रकार, आवेदन का कारण, लागू राशि, यदि रिफंडेबल हो तो किश्तों की संख्या, किश्त की राशि भरें अथवा रिफंडेबल न हो तो किश्तों की संख्या, किश्त की राशि वाला कॉलम न भरें । अब आश्रित नाम वाले कॉलम में नामिनी का नाम डालें तथा जरूरी होने पर दस्तावेज अपलोड कर नीचे Submit पर click करें । विवरण सही होने पर आपके Registered mobile number पर आवेदित राशि सहित PF Application No. xxx एवं Application Submitted successfully का संदेश आएगा तथा आवेदन के आगे की स्थिति हेतु आपको अपने Registered mobile number पर संदेश प्राप्त होते रहेंगे । आप HRMS Portal पर लग-इन कर अपने Loan Application की वर्तमान स्थिति का पता स्वयं भी लगा सकते हैं ।

विजय कुमार देवांगन
कार्यालय अधीक्षक
राजभाषा विभाग, बिलासपुर मंडल

प्रशासनिक जिम्मेदारी - मानवता की ओर

मेरा यह लेख मेरी व्यक्तिगत जिन्दगी में घटित वास्तविक घटना पर आधारित है, इसमें मैंने कर्तव्यों के निर्वहन के दौरान विषम परिस्थितियों में भी मानवता को जीवित रखने के प्रयास का उल्लेख किया है।

घटना सन् 2005 की है। जब मैं नागपुर मंडल में सहायक वाणिज्य प्रबंधक के पद पर पदस्थ था। चूँकि अधिकारी के रूप में यह मेरी पहली पोस्टिंग थी, अतः मैं बहुत ही लगन के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहा था। एक दिन मैंने अपनी टीम और आर.पी.एफ. जवानों के साथ विशेष टिकट जाँच अभियान के मददेनजर 07.30 बजे इतवारी स्टेशन से गोदिया स्टेशन के लिए स्पेशल ट्रेन से रवाना हुआ। रेलवे की आय बढ़ाने एवं बिना टिकट यात्रा पर अकुंश लगाने के प्रयोजनार्थ स्पेशल ट्रेन कन्हान स्टेशन पर रूकी। टिकट चेकिंग के दौरान बिना टिकट यात्रा करने वाले एक ही परिवार के चार यात्री पकड़े गए। इनमें महिला सदस्य तथा बच्चे भी शामिल थे। इनमें से परिवार के मुखिया के अलावा परिवार के सभी अन्य सदस्य स्टेशन के बाहर निकल चुके थे। परिवार के मुखिया की उम्र लगभग 45 वर्ष की रही होगी। उन्हें टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा था। फाइन के साथ किराया वसूलने की कोशिश की गई ताकि बिना टिकट यात्रा करने के कारण होने वाली हानि की भरपाई की जा सके। किन्तु उस व्यक्ति के पास शायद पैसे नहीं थे। देखने से ही उनकी स्थिति दयनीय लग रही थी, अतः उसने किराया देने में असमर्थता जताई। किराया नहीं देने के कारण स्टाफ द्वारा उस व्यक्ति को साथ में पकड़कर भण्डारा के लिए प्रस्थान किया गया। उसकी सुरक्षा के लिए आर.पी.एफ. के जवान एवं कुछ टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ एक अलग डिब्बे में (बैठा दिया गया तथा मैं, मुख्य टिकट निरीक्षक एवं आर.पी.एफ. निरीक्षक के साथ अन्य डिब्बे में बैठ गया।

गाड़ी स्टेशन से खुली एवं 100-110 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से आगे बढ़ने लगी। अचानक वह व्यक्ति जो बिना टिकट यात्रा के पकड़ा गया था, शराब का भी सेवन किया हुआ था। अचानक चलती गाड़ी से वह व्यक्ति बाहर कूद गया। गाड़ी के भण्डारा पहुँचने पर स्टाफ द्वारा मुझे सूचना दी गई। घटना की जानकारी होने के पश्चात मुझे एहसास हुआ तो मानों मेरे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई हो। एक अजीब सा डर, भय, सिहरन मेरे मन में उत्पन्न होने लगा। मैंने तुरंत वस्तु-स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपने उच्चाधिकारी को उक्त घटना की जानकारी दी। उस अजीबोगरीब स्थिति में मेरे उच्चाधिकारी से भी मुझे कोई स्पष्ट निदेश प्राप्त नहीं हुआ और उन्होंने स्थिति को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लेने का फैसला मुझ पर ही छोड़ दिया। आगे क्या निर्णय लिया जाए मेरी समझ में नहीं आ रहा था। उस समय मेरे मन में बहुत सारी बातें आ जा रही थी। उस व्यक्ति एवं उसके परिवार की छवि मेरी आँखों के सामने दिखाई दे रही थी। मैंने अपने आपको सम्भालते हुए निर्णय लिया कि प्रशासनिक कार्य में अवरोध भी उत्पन्न न हो तथा वह व्यक्ति जो चलती ट्रेन से कूद गया था, उसे अपेक्षित मदद पहुँचाई जा सके। मेरी अन्तरात्मा उस गरीब लाचार व्यक्ति की मदद किसी भी हालत में करने को तत्पर थी। मेरी एक छोटी सी कोशिश किसी का जीवन तथा परिवार बचा सकती थी किन्तु परिस्थितियाँ प्रतिकूल थी। उस व्यक्ति के लोकेशन व स्थिति के बारे में किसी को भी जानकारी नहीं थी। मुझे यह एहसास हुआ कि उस व्यक्ति की मदद करनी चाहिए। अन्यथा अनर्थ हो जाएगा और मैं अपने आप को कभी माफ नहीं कर पाऊँगा। यदि उस व्यक्ति के साथ कुछ गलत हुआ तो उसका एवं उसके परिवार की बददुआओं का प्रभाव मझ पर पड़ेगा।

एक कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी और एक मददगार इंसान के तौर पर मैंने तुरन्त निर्णय लिया कि प्रशासनिक कार्य में बिना व्यवधान के उस व्यक्ति की यथासंभव मदद किया जाए । अतः मैंने अविलंब दो टीम बनाई जिसमें से एक टीम टिकट चेक करते हुए आगे रवाना होगी, दूसरी टीम जिसमें चार उत्साही एवं समर्पित कर्मचारी थे, घटना स्थल तक रवाना करने का तथा स्वयं अन्य स्टाफ के साथ भण्डारा स्टेशन में ही रूकने का निर्णय लिया ताकि सभी टीमों के बीच समन्वय स्थापित हो सके।

किस्मत को हमारी सेवा भावना मंजूर थी, अतः तुरन्त ही विपरीत दिशा की ओर से आती हुई एक लोकल गाड़ी भण्डारा स्टेशन पर रूकी । मैंने तुरन्त स्टाफ को घटना स्थल की दिशा में रवाना किया। पूरे सेक्शन में बारीकी से छानबीन करने के दौरान वह व्यक्ति डाउन दिशा में ट्रेक के किनारे पड़ा हुआ मिला । स्टाफ के द्वारा जाँच करने पर वह व्यक्ति जीवित, किन्तु बेहोशी की हालत में था । स्टाफ के सहयोग से उस व्यक्ति को मालगाड़ी के द्वारा भण्डारा स्टेशन लाया गया । जहाँ मैंने स्वयं उपचार के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ जैसे एम्बुलेंस, स्ट्रेचर इत्यादि की संपूर्ण व्यवस्था कर रखी थी तथा डिविजन कंट्रोल के माध्यम से उच्चाधिकारियों को सूचित कर दिया । मैं उस व्यक्ति की सहायता में एक क्षण भी बर्बाद करना नहीं चाहता था क्योंकि इन परिस्थितियों में इलाज के लिए एक-एक पल अत्यन्त महत्वपूर्ण होता है। ट्रेन के आते ही एम्बुलेंस के माध्यम से तुरन्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया । मैं उसके होश में आने तक प्रतीक्षा करता रहा तथा उसके होश आने पर उससे उसके घर का पता लिया और उसके परिवार को सूचित कर बुलाया। उसके परिवार के आने तक मैं अपनी तरफ से हर संभव आवश्यक व्यवस्थाएँ की । क्योंकि मानवीय संवेदना के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भलीभाँति समझते हुए मैं अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहता था। जैसे ही उसके परिवार के सदस्य आये, वह अपने परिवार के सदस्यों से मिलकर बहुत खुश हुआ । उनकी खुशी के इस पल को देखकर मैं अपने आप को नहीं रोक पाया एवं मेरी आँखें भी नम हो गयी और मैं महसूस किया कि जरूरतमंदों की मदद करके मुझे स्वयं को एक आत्मीय सुकून एवं संतोष मिला है साथ ही साथ मन भी प्रफुलित हुआ ।

इस लेख के माध्यम से मैं आम लोगों तक यह संदेश पहुँचाना चाहता हूँ कि चाहे आप सरकारी नौकरी या गैर सरकारी नौकरी में हो अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए जरूरतमंद लोगों की यथासंभव मदद करने के लिए तत्पर रहें ।

उपरोक्त घटनाक्रम में प्रशासनिक एवं नैतिक जिम्मेदारी, उच्चाधिकारियों द्वारा दिये गए निर्देशों का अनुपालन, समय का महत्व, टीम के साथ समन्वय, कार्य कुशलता एवं सुनियोजित कुशल प्रबंधन का उत्कृष्ट मिसाल पेश किया गया है । सही समय पर सही निर्णय लेकर अन्ततः एक गरीब व्यक्ति को नया जीवन देते हुए उसके परिवार को बिखरने से बचाया । यह घटना मेरे जीवन की कभी न भूलने वाली अविस्मरणीय घटना के रूप में मेरे मानस पटल पर अंकित है।

(के.व्ही. रमणा)

वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी

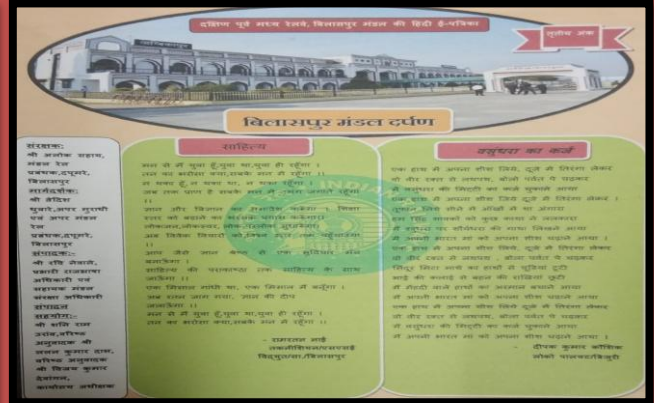
द.पू.म.रेल, बिलासपुर

साहित्यकारों की जयंतियों का आयोजन



दिनांक 16.02.2021 को चांपा स्टेशन में बसंत पंचमी के अवसर पर माता सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ पं.सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की जयंती का आयोजन किया गया ।

हिंदी पत्रिका का प्रकाशन



दिनांक 12.03.2021 को आयोजित मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर मंडल की हिंदी ई-पत्रिका 'बिलासपुर मंडल दर्पण' का मंडल रेल प्रबंधक के करकमलों से विमोचन किया गया ।



कोई भी देश सच्चे अर्थों में तब तक स्वतंत्र नहीं है जब तक वह अपनी भाषा में नहीं बोलता ।

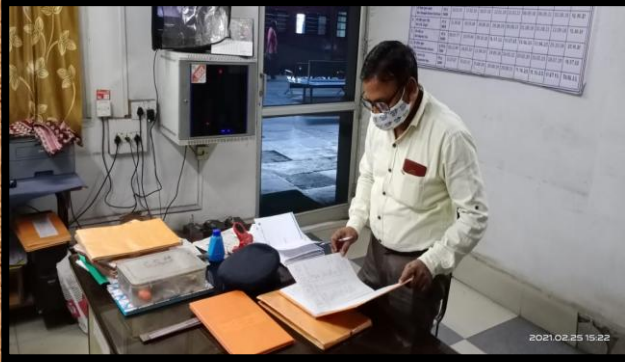
-मोहन दास करमचंद गांधी

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की जनवरी-मार्च 2021 तिमाही में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति सहित 08 स्टेशन राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की कुल 08 बैठकें आयोजित की गईं, जिसमें से 03 बैठकें गूगलमीट से ऑन लाइन एवं 05 बैठकें प्रत्यक्ष आयोजित हुईं। संबंधित समितियों की उक्त तिमाही में राजभाषा प्रयोग-प्रसार की समीक्षा की गई तथा पाई गई कमियों को दूर करने की दिशा में समुचित कार्रवाई करने का निदेश दिया गया।

राजभाषा नीति के अनुपालन का निरीक्षण



जनवरी-मार्च 2021 में राजभाषा प्रयोग-प्रसार के संबंध में प्रभारी राजभाषा अधिकारी द्वारा कुल 10 निरीक्षण किए गए जिनमें से 01 शाखा (वरि.मंडल वि.इंजीनियर/कर्षण) का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पायी गई कमियों को दूर करने हेतु मार्गदर्शन दिया गया।



भाषा मात्र परिधान नहीं, राष्ट्र का समग्र व्यक्तित्व हुआ करती है
जिस राष्ट्र की अपनी वाणी नहीं, उसकी स्वतंत्रता का क्या मूल्य है।

- महादेवी वर्मा

हिंदी पुस्तकालयों का निरीक्षण



दिनांक 28.01.2021 एवं 16.02.2021 को कमशः मनेंद्रगढ़ एवं चांपा स्थित हिंदी पुस्तकालय का निरीक्षण किया गया तथा पुस्तकालयों के प्रभावी संचालन के लिए अंशकालिक हिंदी पुस्तकाध्यक्षों को यथापेक्षित मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश दिया गया ।

महाप्रबंधक वार्षिक निरीक्षण पूर्व बिजुरी, सूरजपुर एवं अंबिकापुर स्टेशन का निरीक्षण



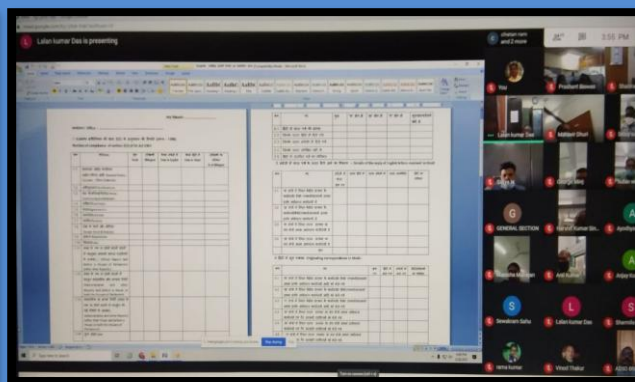
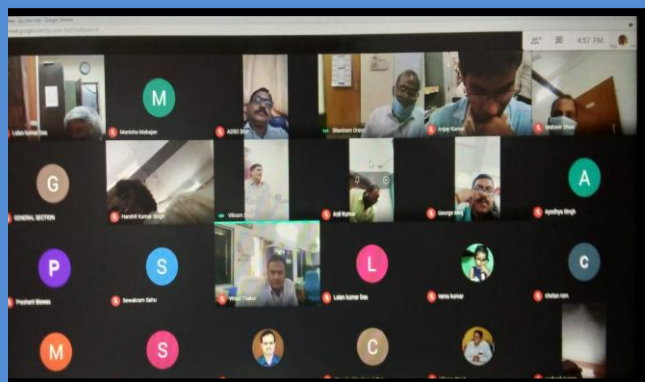
महाप्रबंधक वार्षिक निरीक्षण के पूर्व दिनांक 30.01.2021 को अंबिकापुर एवं बिजुरी स्टेशन का तथा दिनांक 11.02.2021 को सूरजपुर एवं बिजुरी स्टेशन का राजभाषा नीति के अनुपालन का जायजा लिया गया तथा पाई गई कमियों को दूर करने परामर्श दिया गया ।



राष्ट्रभाषा हिंदी उस धागे के समान है जो फूल रूपी अन्य भारतीय भाषाओं को अपने में पिराए रखती है तथा वह हमारे देश को एकता के सूत्र में बांधे रखती है ।

- रामधारी सिंह दिनकर

हिंदी कार्यशाला का आयोजन



दिनांक 26.03.2021 को मासिक रिपोर्ट बनाने वाले कर्मचारियों के लिए गूगल मीट के माध्यम से ऑन लाइन ई-कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विभागों के 24 कर्मचारी शामिल हुए। उक्त कार्यशाला में मासिक रिपोर्ट से संबंधित प्रत्येक मद पर विस्तार से चर्चा की गई।

साहित्यकारों की प्रेरक पंक्तियों का प्रदर्शन



नन्हीं चीटी जब दाना लेकर चलती है,
चढ़ती दीवारों पर, बार-बार फिसलती है।
मन का विश्वास रागों में साहस भरता है,
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती,
कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

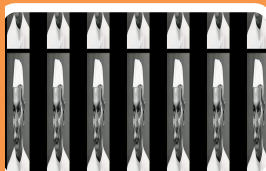
- हरिवंश राय बच्चन



“जो भरा नहीं है भावों से
जिसमें बहती रसधार नहीं
वह हृदय नहीं है पत्थर है,
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं”

- मैथिलीशरण गुप्त

साहित्यकारों की प्रेरक पंक्तियों से संबंधित 20 नग फ्लैक्स बोर्ड बनवाकर उन्हें विभिन्न शाखा कार्यशालाओं, प्रशिक्षण केंद्रों एवं बिलासपुर स्टेशन में प्रदर्शित करवाया गया है।



हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का बहिष्कार नहीं किया।

- राजेंद्र प्रसाद